आदमी लड़का और गधा

लाफोंटेन

आदमी
लड़का
और गधा

लाफोंटेन
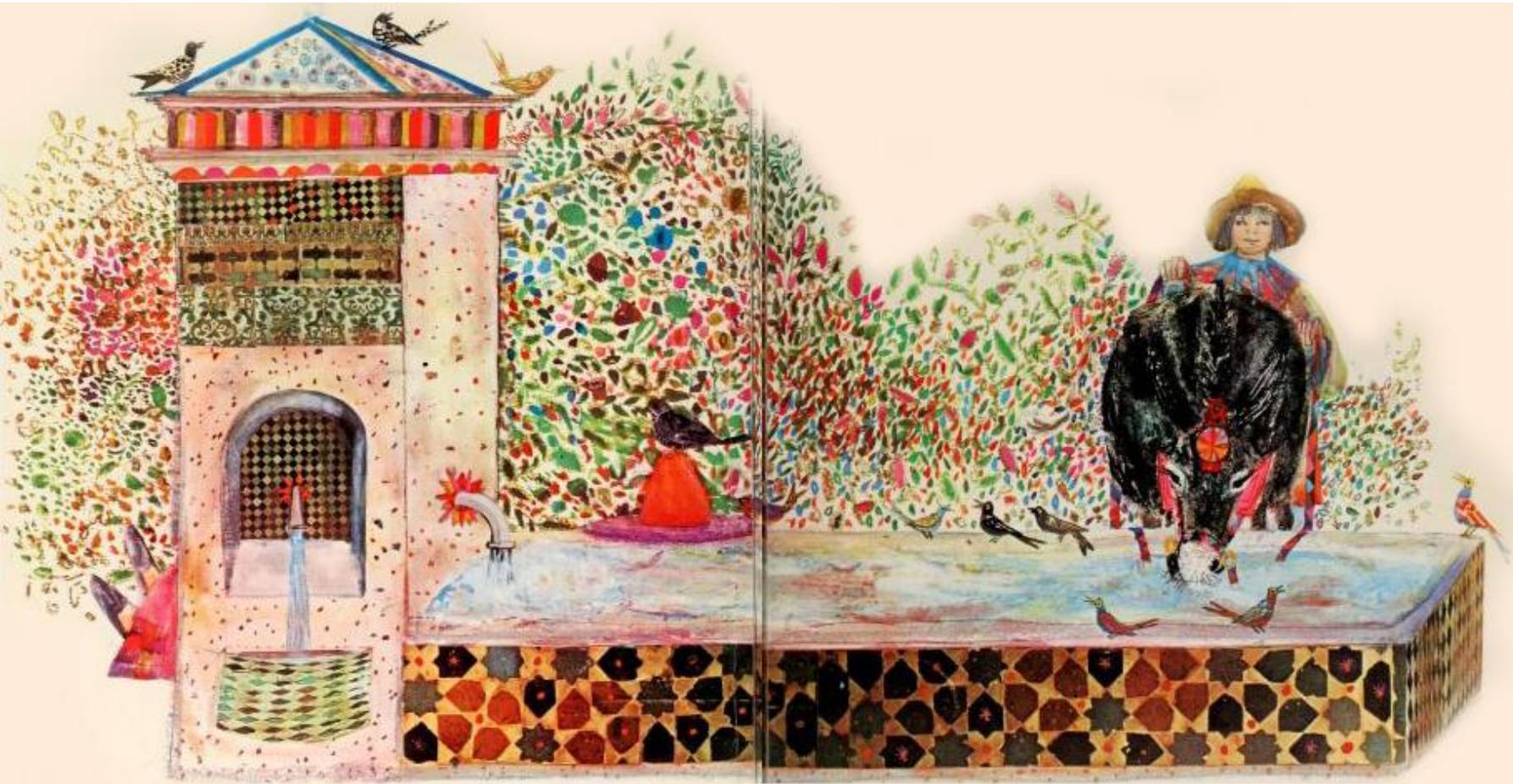
एक दिन आटा चक्की के मालिक ने अपने गधे
को बाजार में ले जाकर बेचने का फैसला किया.

वो और उसका लड़का गधे को
पकड़ने के लिए मैदान में गए.

वे अपने साथ कुछ गाजर ले गए जो गधे को
बेहद पसंद थीं. यकीनन जब गधे ने गाजर
देखीं तो वो तुरंत उनके पास आया.

गधे को गाजर खिलाने के बाद वे उसे घर लाये. उन्होंने गधे के शरीर को ब्रश से रगड़ा और उसके खुरों को पॉलिश किया. अब गधा बहुत स्मार्ट लग रहा था, गधे के पैर गंदे न हों इसलिए उन्होंने गधे को बाजार तक उठाकर ले जाने का फैसला किया.

वे कुछ ही दूर गए थे जब उन्हें
रास्ते में एक किसान मिला.

जब किसान ने उन्हें देखा तो वो हँस पड़ा.
"कितने मूर्ख हो तुम लोग," किसान ने कहा.
"तुम लोग गधे को लादकर ले जा रहे हो!
जबकि गधे को तुम्हें उठाना चाहिए था?”

कोई उस पर हँसे यह आदमी
को बिल्कुल पसंद नहीं था.

उसने गधे को उतारा. फिर गधे ने
ज़मीन पर चलना शुरू किया.

कुछ देर बाद लड़का चलते-चलते थक गया.

तब आदमी ने लड़के को गधे की पीठ पर बिठा दिया.

कुछ आगे जाकर उन्हें तीन व्यापारी मिले.
जब उन्होंने लड़के को सवारी करते, और पिता को
पैदल चलते देखा तो व्यापारी बहुत गुस्सा हुए.

"तुम बड़े आलसी लगते हो," उन्होंने लड़के से कहा
"गधे से नीचे उतरो और अपने
बूढ़े पिता को सवारी करने दो."

फिर आदमी ने लड़के को नीचे उतारा और
वो खुद गधे की पीठ पर चढ़ गया.

क्योंकि बहुत गर्मी थी इसलिए लड़का जल्द ही फिर से थक गया.

थोड़ी देर बाद वे तीन लड़कियों से मिले. "तुम कुछ तो शर्म करो," वे उस आदमी पर चिल्लाईं. "जबकि तुम्हारा लड़का इतना थका है तब तुम खुद कैसे गधे पर सवारी कर सकते हो?"

उसके बाद आदमी ने लड़के को अपने पीछे बैठने को कहा.
फिर पिता-पुत्र दोनों गधे पर सवार हो गए.

कुछ देर बाद उन्हें चर्च के बाहर एक पादरी खड़ा दिखा. पादरी ने आदमी की कड़ी फटकार लगाई. "इस छोटे से जानवर की पीठ पर सवारी करना तुम दोनों को बिल्कुल शोभा नहीं देता है. क्या तुम्हारे दिल में इस वफादार जानवर के लिए कुछ भी रहम नहीं बचा है?"
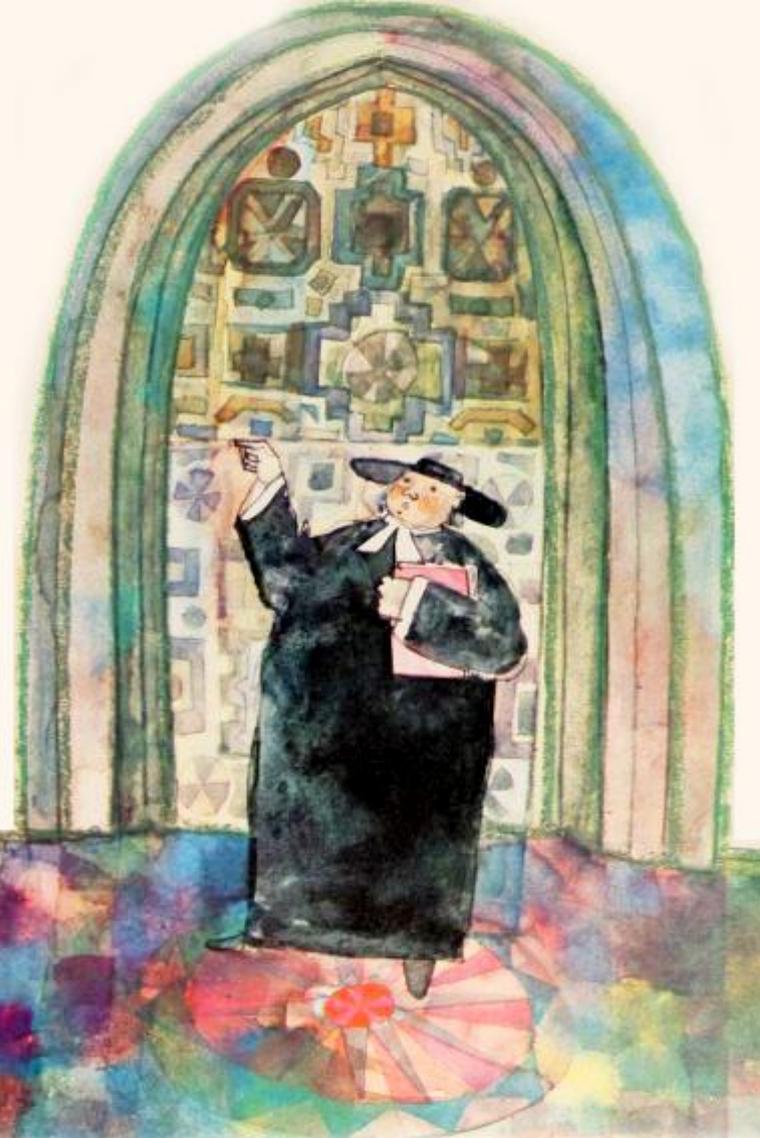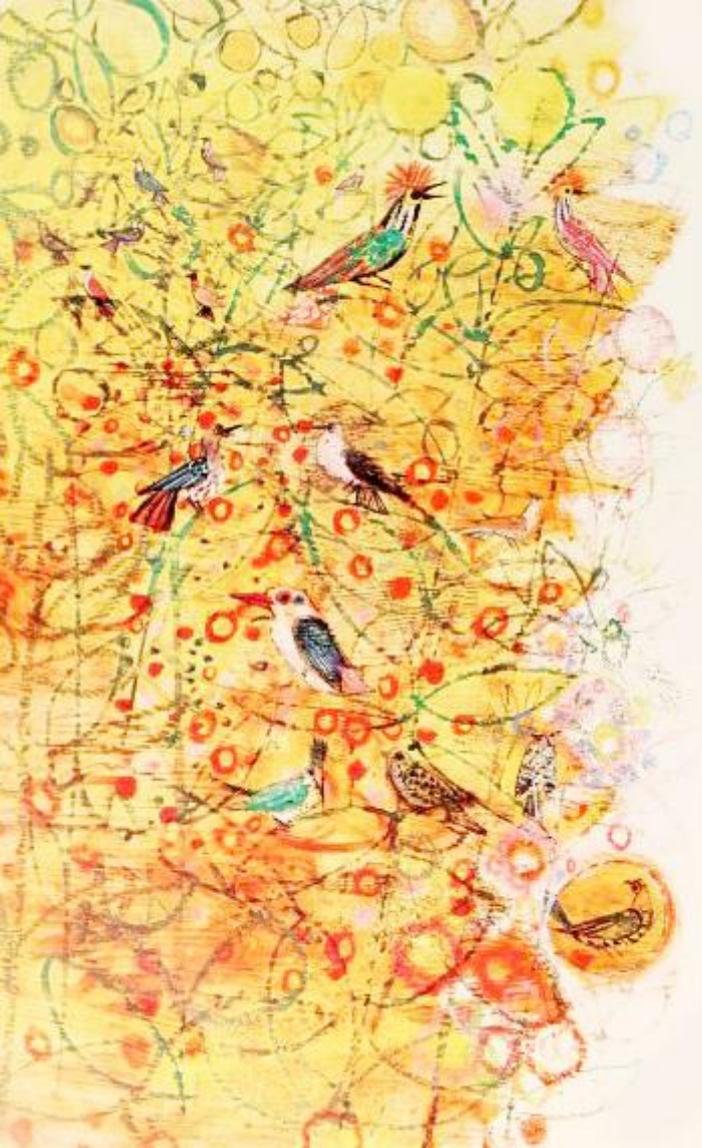
उसके बाद आदमी गधे से नीचे उतरा और उसने लड़के को भी उतारा. फिर वे गर्मी की धूप में खरामा-खरामा आगे बढ़े और गधा भी उनके पीछे-पीछे चला.
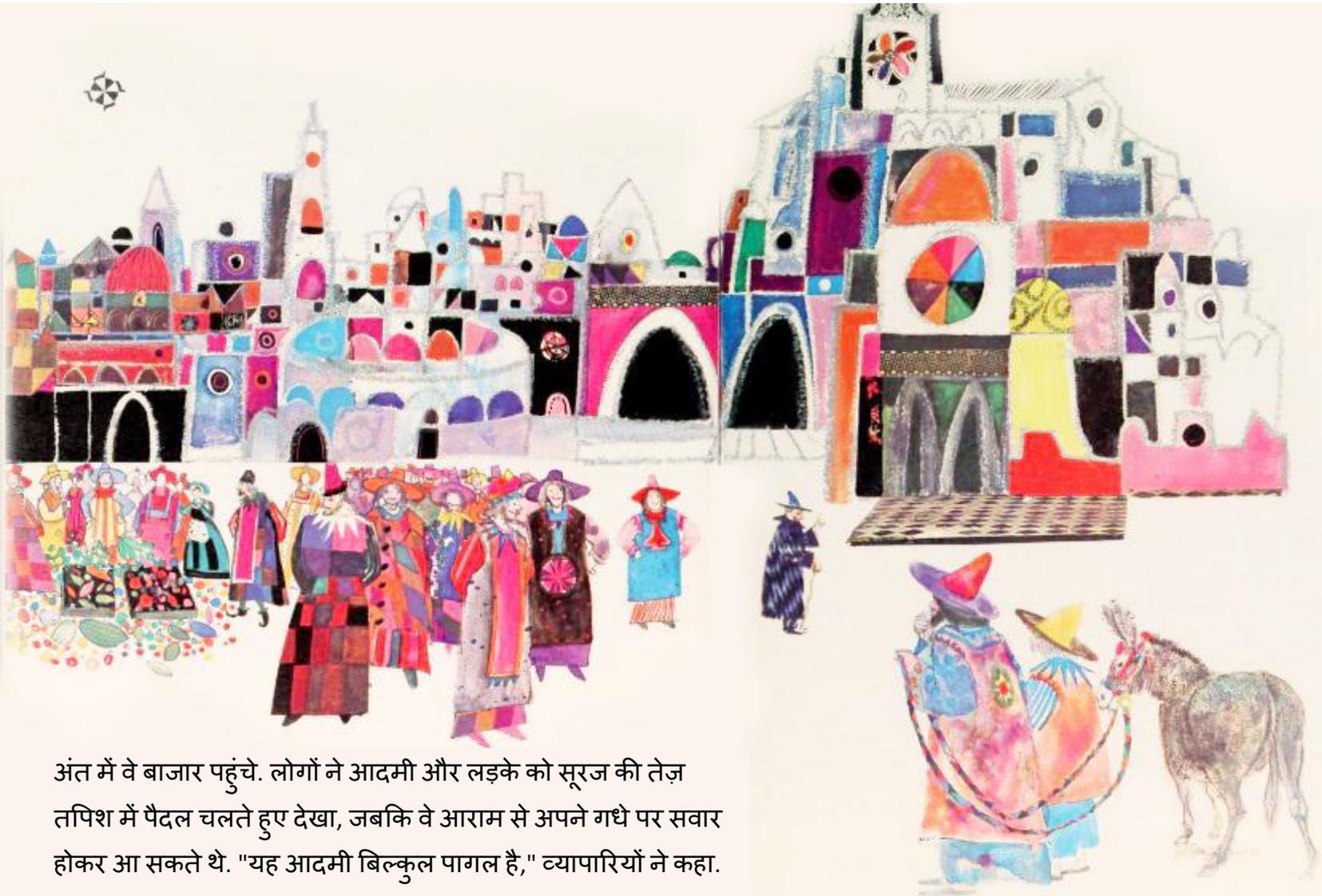
अंत में वे बाजार पहुंचे. लोगों ने आदमी और लड़के को सूरज की तेज़ तपिश में पैदल चलते हुए देखा, जबकि वे आराम से अपने गधे पर सवार होकर आ सकते थे. "यह आदमी बिल्कुल पागल है," व्यापारियों ने कहा.

जल्द ही आदमी ने अपने गधे को एक दयालु किसान को बेच दिया. लेकिन इतने लोगों द्वारा दी गई सलाह और धूप की कठिन यात्रा से उसका सिर अब चकराने लगा था.

"अब से," उसने अपने लड़के से कहा, "मैं अपना पक्का मन बनाऊंगा और अपनी बात पर अटल रहूंगा." लड़के को पिता का यह विचार बहुत अच्छा लगा. उसने अपना सिर हिलाया, और फिर वे दोनों खाने की खोज में निकल पड़े.

समाप्त